International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 8, Aug- 2023
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

विजन इंडिया @ 2047 : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

महेन्द्र प्रताप सिंह (सहायक आचार्य)
राजनीति विज्ञान विभाग,
महारानी श्रीजया राजकीय महाविद्यालय, भरतपुर।
ईमेलः mahendrasingh4231@gmail.com

परिचयः–

विजन इंडिया 2047 भारत के विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमसें देश के विकास को वर्तमान स्तर से उच्च स्तर तक ले जाने की महत्वाकांक्षा है। यह परियोजना नीति आयोग द्वारा प्रारम्भ की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी इस योजना के बारे में अपना विजन साझा किया था। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य भारत को नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी में विश्व में अग्रणी देश बनाना है।

उद्देश्यः–

30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करना साथ ही भारत की प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाकर देश में सुदृढ़ वित्तीय क्षेत्र स्थापित करना

- स्वदेशी उद्योग एवं नवोन्मेज को बढ़ावा देना जिससे भारत की स्थिति प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत बन सके।
- अर्थव्यवस्था में डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देना एवं सुशासन स्थापित करना जिससे कि आम नागरिक के जीवन में सरकारी दखल न्यूनतम हो।
- रक्षा प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना।
- बेरोजगारी को न्यूनतम स्तर तक लाकर युवाओं को कौशल उन्नयन कर उन्हें सशक्त बनाना।
- उर्जा क्षमता में बुद्धि करना साथ ही कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करना।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 8, Aug- 2023
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विश्व स्तरीय अवसंरचना और सुविधाओं का निर्माण करना।

- इस परियोजना में सात प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है। जो इस प्रकार हैं।

1. समावेश विकास 2. अंतिम व्यक्ति तक पहुँच 3. अबसंरचना व निवेश 4. संभावनाओं को साकार करना 5. हरित विकास 6. युवा शक्ति 7. वित्तीय क्षेत्र।

प्रगतिः–

सरकार ने विकास के समावेशी और सतत मॉडल पर काम करते हुए महिलाओं के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रोजगार, स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन जेसे कई कदम उठाए हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए हरित विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और संभावनाऐं।

GDP in $ = m	**2022**	**2023**
United States	**25.5**	**27.9**
China	**17.9**	**17.7**
Japan	**4.2**	**4.4**
Germany	**4.1**	**4.2**
India	**3.4**	**3.7**

- आर्थिक विस्तार की तीव्र गति के परिणामस्वरूप भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का आकार बढ़ेगा।
- भारत की औसत जीवन प्रतयाशा 67.2 से बढ़कर 71.8 हो जाएगी।
- विभिन्न आंकलनों के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत की जीडीपी जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगी।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 8, Aug- 2023
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

विजन के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँः–

(1) बढ़ती हुई जनसंख्या।

(2) मध्यम आय जाल।

(3) उच्च विकास दर बनाए रखना।

(4) कृषि और विनिर्माण क्षेत्र में अपेक्षित सफलता नहीं।

(5) क्षेत्रीय एकीकरण की समस्या।

भविष्य

(1) मध्यम वर्ग को बढावा देना।

(2) वृहत, तेज विनिवेश का लक्ष्य रखना

(3) आधारभूत संरचना को बढ़ावा देना।

(4) विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति का लाभ उठाना

(5) निजी निवेश को बढ़ावा देना।

(6) संरचनात्मक सुधारों को लागू करना।

निष्कर्षः–

भारत 2047 तक विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है देश की युवा जनसंख्या, समृद्ध मध्यम वर्ग डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार और स्थिर अर्थव्यवस्था के बल पर 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगें। विजन 2047 भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश को "सबका साथ सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर निरंतर ध्यान देना होगा।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 8, Aug- 2023
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

संदर्भः–

- http//pib.gov.in/press Release
- हिन्दुस्तान टाईम्स
- जनसत्ता
- timesofindia. indiatimes.com